

Awadhi Easy-to-Read Version

Language: अवधी (Awadhi)

Provided by: Bible League International.

Copyright and Permission to Copy

Taken from the Awadhi Easy-to-Read Version © 2005 by Bible League International.

PDF generated on 2017-08-25 from source files dated 2017-08-25.

a1ae5774-2ca2-500b-8aeb-2c74229c4519

ISBN: 978-1-5313-1308-1

इफिसियन क पत्र

१ पौलुस कइँती स, जउन परमेस्सर क इच्छा ईसू मसीह क एक प्रेरित अहइ,

इफिसुस क रहइवाले संत जनन अउर ईसू मसीह में बिसवास रखइवालन क नाउं:

२ तू लोगन क हमरे परमपिता परमेस्सर अउर ईसू मसीह कइँती स अनुग्रह अउर सांति मिलइ। मसीह में स्थित लोगन क आध्यात्मिक असीसन।

ईसू म आध्यात्मिक असीसन

३ हमरे पभू ईसू मसीह क पिता अउर परमेस्सर धन्य होइ। ओहमाँ हमका मसीह क रूप में सरगे क क्षेत्र में हर तरह क आसीबांद दिहे अहइ।

४ संसार क रचना स पहिले ही परमेस्सर हमका, जउन मसीह में स्थित बा, आपन सामने पवित्तर अउर निर्देस बनई क बरे चुनेस। हमरे बरे ओकर जउन परिम बा उही क कारण उ ईसू मसीह क द्वारा हमका आपन बेटवा क रूप में स्वीकार कीन्ह जाइ बरे नियुक्त किहेस। इहइ ओकर इच्छा रही अउर प्रयोजन रहा। ६ उ अइसा एँह बरे किहेस परमेस्सर आपन महिमा अउर अनुग्रह बरे प्रसंसित करइ। उ एका हमका, जउन ओकर पिआरा बेटवा में स्थित बा मुक्त भाव स दिहेस।

७ हमका, ओहमाँ ओकर लहू क द्वारा छुटकारा, अर्थात् हमरे अपराधन क छुमा ओकरे अनुग्रह क धन क अनुसार मिली ह। ओकर सम्पन्न अनुग्रह क कारण हमका हमरे पापन क छुमा मिलत ह। आपन उही परिम क अनुसार जेका उ मसीह क द्वारा हम पर परगट करइ चाहत रहा। ८ उ हमका आपन इच्छा क रहस्य क बताएस ह। ९ जइसा कि मसीह क जरिये हमका उ देखोवइ चाहत रहा। १० परमेस्सर क इ योजना रही कि अच्छा समइ पर सरग क अउर पृथ्वी पर क सभन वस्तुअन क मसीह में एकत्र करइ।

११ सब बातन योजना अउर परमेस्सर क निश्चय क अनुसार कीन्ह जात हीं। अउर परमेस्सर आपन निजी प्रयोजन क कारण ही हमका उही मसीह में संत बनवई क बरे चुने अहइ। इ ओकरे अनुसार इ भवा जेका परमेस्सर अनादिकाल स सुनिश्चित कइ रखे रहा। १२ ताकि हम ओकरी महिमा क प्रसंसा क कारण बनि सकी। हम यानी सबसे पहले जे लोग आपन आसा क मसीह पर केन्द्रित

कइ दिहे अहइ। १३ जब तू उ सत्य क उपदेस सुन्या जउन तू सबन उद्धार क सुसमाचार रहा, अउर जउने मसीह पर तू बिसवास किहे रह्या। तउ जउने पवित्तर आतिमा क बचन दिहे रह्या। मसीह क जरिये स ओकर छाप परमेस्सर क दुआरा तोहे जने पर लगाय गइ। १४ उ आतिमा हमरे उत्तराधिकार क भाग क जिम्मेदारी क बयाना क रूप में ओह समइ तलक बरे हमका दीन्ह गवा रहा। जब तलक कि उ हमका जउन ओकर आपन अहइ पूरी तरह उद्धार नाही दइ देत। एकरे कारण लोग ओकरे गरिमा क प्रसंसा करिहीं।

इफिसियनन क बरे पौलुस क पराथना

१५-१६ इही बरे जब स मइँ पभू ईसू मसीह में तोहरे बिसवास अउर सभन सन्तन क बरे तू सबन क परिम क विसय में सुने हउँ। मइँ तू पचन क बरे परमेस्सर क धन्यबाद निरन्तर करत हउँ अउर तू पचन क आपनन पराथना में याद करत हउँ। १७ मइँ पराथना करत रहत हउँ कि हमार पभू ईसू मसीह महिमावान परमपिता क परमेस्सर तू पचन क विवेक अउर दिव्य दर्शन क अइसेन आतिमा क सक्ती प्रदान करइ। जैसे तू पचे ओका अच्छी तरह क जान सका।

१८ मोर बिनती बा कि तोहरे हीये (हृदय) क आँखिन खुल जाइँ अउर तू प्रकास क दर्शन कइ सका ताकि तू पचन क पता चल जाइ कि उ आसा का अहइ जेकरे बरे तू पचन क उ बोलाए अहइ। अउर जेकरे उत्तराधिकार क उ आपन सभन पवित्तर जने क देई। उ केतँना अदभुत अउर सम्पन्न बाटइ। १९ अउर हम बिसवासियन क बरे ओकर सक्ती बेमिसाल रूप स केतँना महान बा। इ सक्ती अपनी महान सक्ती क ओह प्रयोग क समान बा। २० जेका उ मसीह में तब कामे में लिहे रहा जब मरे हुवन में स ओका फिन स जियाइ क सरगे क छेत्र में आपन दिहिनी कइँती बइँटाइके २१ सबहुँ सासकन, अधिकारियन समरथन, अउर राजा लोगन, अउर हर कउनो अइसेन सक्तिसालिन पदबी क उपपर स्थापित किहे रहा। जेका न केवल उ युगे में बल्कि आवइवाले युगे में किहीउ क दिहा जाइ सकत ह। २२ परमेस्सर सब कछू तउ मसीह क चरन क नीचे कइ दिहेस अउर उहइ मसीह क कलीसिया क सभी चीजन क सर्वोच्च अधिकारी बनायेस। २३ कलीसिया मसीह क तन अहइ अउर सब विधियन स सब कछू क ओकर पूर्णतया ही परिपूर्ण करत ह।

मउत स जीवन कइँती

२ एक समइ रहा जब तू लोग उन पराधन अउर पापन क कारण आध्यात्मिक रूप स मरा हुआ रह्या। २ जेहमें तू पचे पहिले, संसार क खराब रस्तन पर चलत-चलत अउर वह आतिमा क अनुसरण करत-करत जिअत रह्या। जउन उहइ धरती क बुरी सक्तियन क स्वामी रही उहइ आतिमा अब उ मनइयन में काम करत अहइ जउन परमेस्सर क आज्ञा क नाही मनतेन। ३ एक समइ हमहूँ ओनही क बीच जिअत रहे अउर आपन पाप-पूर्ण प्राकृतिक भौतिक मनई सुभाऊ क तूप्त करत आपन हीये अउर पाप-पूर्ण इच्छन का जोउ हमार सरीर अउर मन चाहत रहा का पूरन करत भए संसार क दूसरे लोगन क समान परमेस्सर क किरोध क पात्र रहे।

४ परन्तु परमेस्सर करुना क धनी बाटइ। हमरे बरे आपन महान प्रेम क कारण ५ उ समइ अवज्ञा क कारण हम आध्यात्मिक रूप स अबहीं मरा ही रहे, मसीह क साथे-साथे उ हमहूँ क जीवन दिहेस (परमेस्सर क अनुग्रह स ही तोहार उद्धार भवा बा।) ६ अउर काहेकि हम मसीह ईसू में अही इही बरे परमेस्सर हमका मसीह क साथेन फिन स जी उठाएस। अउर ओकरे साथ ही सरगे क सिंहासन पर बइटाएस ७ ताकि उ आवइवाले हर युगे में अपन अनुग्रह क अनुपम धन क देखावइ जेका उ मसीह ईसू में आपन दया क रूप में हम पर दरसाए अहइ।

८ परमेस्सर क अनुग्रह दुआरा आपन बिसवास क कारण तू बचावा गया ह। इ तू सबन क तोहरी कइँती स मिली नाही बा, बल्कि इ तउ परमेस्सर क बरदान अहइ। ९ इ हमरे किहे कर्मन क परिणाम नाही बा कि हम एकर गरब कइ सकी। १० काहेकि परमेस्सर हमार सृजनहार अहइ। उ मसीह ईसू में हमार सृस्टि इही बरे किहेस ह कि हम नेक काम करी। जेनका परमेस्सर हमरे बरे तइयार किहे अहइ कि हम ओनहीं क करत भए आपन जीवन बिताई।

मसीह में एक

११ इही बरे याद रखा, उ लोग जउन आपन सरीरी में मानुस हाथन दुआरा कीन्ह गवा खतना क कारण आपन आप क "खतना सहित" बतावत हीं, विधर्मी क रूप में जनमें तोहे लोगन क "खतना रहित" कहत हीं। १२ ओह समइ तू बिना मसीह

क रह्या तू इस्राएल क बिरादरी स बाहेर रह्या। परमेस्सर तउ आपन भक्तन क जउन बचन दिहे रहा उ ओनपर आधारित करार स अनजाना रहा। अउर इ संसार में बिना परमेस्सर क बिसवास क, अउर बिना ओका जाने निराश जीवन जिअत रहा। १३ परन्तु अब तोहे सबन क, जउन कभऊँ परमेस्सर स बहुत दूर रहेन, ईसू मसीह क लहू क दुआरा मसीह ईसू में तोहरे स्थिति क कारण, परमेस्सर क लगे लई आवा गवा रहेन।

१४ यहूदियन अउर गैर यहूदियन आपस में एक दूसरे स नफरत करत रहेन अउर अलग होइ ग रहेन। ठीक अइसेनई जइसे ओनके बीच में कउनउ देवार खड़ी होइ। परन्तु मसीह तउ खुद आपन देह क बलिदान दइके नफरत क ओह देवार क गिराइ दिहेस। उ हमरे लिये सान्ति लावा अउर हम दोउन का एक बनाएस। १५ उ अइसेन तब किहेस जब आपन सभन नियमन अउर व्यवस्था क विधान क खतम कई दिहेस। उ अइसेन एह बरे किहेस कि उ आपन में एनन्ह दुन्नऊ क एक में मिलाइके एक नए मनुस्य क सृस्टि कइ दिहेस। अउर एह तरह स मिलाप कराइके सान्ति लिआवा। करूस पर आपन मउत क द्वारा उ एह घृणा क अंत कई दिहेस। अउर उ दुन्नऊ का परमेस्सर क साथे उहइ एक सरीर में मिलाइ दिहेस। १६ अउर करूस पर आपन मउत क जरिये वैरभाव क नास कइके एक्कइ देह में ओनन्ह दुन्नऊ क संयुक्त कइके परमेस्सर स फिन मिलाई दिहेस। १७ तउन आइके उ तू सबन क, जउन परमेस्सर स बहुत दूर रहेन। अउर परमेस्सर ओनके लगे रहा, ओन्ह सान्ती क सुसमाचार सुनाएन। १८ काहेकि ओन्ही क द्वारा एक्कइ आतिमा स परमपिता क लगे तलक हम दुन्नऊ क पहुँच भई।

१९ परिणाम सरूप जब तू पचे न अनजान रह्या अउर न ही पराया। बल्कि पवित्र लोगन क संगी साथी अउर परमेस्सर के कुटुम्ब क बन गया ह। २० तू पचे एक अइसेन भवन अहा जउन प्रेरितन अउर नबियन क नींव पर खड़ा बा। अउर खुद मसीह ईसू जेकर अधिक महत्वपूर्ण कोने क पाथर अहइ। २१ उ पूरी इमारत एक साथ पर्भू ईसू में मिली अहइ अउर मसीह एका बनावत चलत ह अउ परमेस्सर में एक पवित्र मंदिर बनत जात ह। २२ जहाँ आतिमा क द्वारा खुद परमेस्सर निवास करत ह अउर, दूसरे लोगन क साथे तोहार निर्माण कीन्ह जात ह।

गैर यहूदियन मँ पौलुस क प्रचार-काम

३ इही बरे मई, पौलुस तू गैर यहूदियन क तरफ स मसीह ईसू बरे बंदी बना हउ। २ तोहरे कल्लयान बरे परमेस्सर अनुग्रह क साथे जउन काम मोका संउपे अहइ, ओकरे बरे मँ तू जरुर ही सुने होब्या। ३ कि उ रहस्यमयी योजना दिव्यदर्शन क द्वारा मोका जनाई गइ रही, जइसेन कि मई तू सबन क संक्षेप मँ लिख ही चुका अहउ। ४ अउर अगर तू पचे ओका पढ़ब्या तउ मसीह-बिसयक रहस्यपूर्ण सच मँ मोरी अन्तरदृस्टी क समझ तू पचन क होइ जाइ। ५ इ रहस्यमय सत्य पिछली पीढ़ीक लोगन क वइसेन ही नाहीं जनावा गवा रहा जइसे जब ओकर आपन पवित्र प्रेरितन अउर नबियन क आत्मा क द्वारा जनावा जाई चुका बा।

६ इ रहस्यमय सत्य अहइ कि यहूदियन क साथे गैर यहूदियन साथ साथ उत्तराधिकारी अहइ, एक्कइ सरीर क अंग अहइ अउर मसीह ईसू मँ जउन बचन हमका दीन्ह गवा बा ओहमन सहभागी बाटेन।

७ सुसमाचार क कारण मई ओह सुसमाचार क प्रचार करइवाला एक सेवक बन गवा अहउ। जउन ओकर सक्ती क अनुसार परमेस्सर क अनुग्रह क बरदान स्वरूप मोका दीन्ह गवा रहा। ८ जद्यपि सभन संतजनन मँ मई छोट स छोटकवा हउ परन्तु मसीह क अनन्त धन रूपी सुसमाचार क गैर यहूदियन मँ प्रचार करइ क इ विसस अधिकार मोका दीन्ह गवा ९ कि मई सभन जने क बरे ओन रहस्यपूर्ण योजना क स्पस्ट करउ जउन सब कछू क सिरजनहार परमेस्सर मँ सिस्टी क प्रारम्भ स ही छुपी रहिन। १० ताकि उ सरगे क क्षेत्र क सक्तियन अउर प्रसासन क अब ओह परमेस्सर क विधी गियान क कलीसिया क द्वारा परगट कई सकइ। ११ इ ओह सनातन प्रयोजन क अनुसार सम्पन्न भवा जउन ओ हमरे पभू मसीह ईसू मँ पूरा किहे रहा। १२ मसीह मँ बिसवास क कारण हम परमेस्सर तलक भरोसा अउर निडरता क साथे पहुँच रखत अही। १३ इही बरे मई पराथना करत हउ कि तोहरे बरे मई जउन यातना भोगत हउ, ओनसे आसा जिन छोड़ बइठया काहेकि इ यातना मँ तउ तोहर महिमा बा।

मसीह क प्रेम

१४ इही बरे मई परमपिता क आगे निहुरत अहउ। १५ उहइ स सरगे मँ या धरती पइ क सभन

वंस आपन-आपन नाउँ ग्रहण करत हीं। १६ मई पराथना करत हउ कि उ महिमा क आपन-धने क अनुसार आपन आत्मा क दुवारा तोहरे भीतर व्यक्तित्व क सक्तिपूर्वक सद्द करइ। १७ मई पराथना करत हउ कि बिसवासे क दुआरा तोहरे हीये मँ मसीह क निवास होइ। तोहरे जीवन मँ प्रेम दृढ अउर आधारित होइ। १८ मई परातथना करत हउ कि जेहसे तोहका अउर परमेस्सर क पवित्र लोगन क साथे इ समझई क सक्ती मिलि जाइ कि मसीह क प्रेम केतना व्यापक, विस्तृत, विसाल अउर गम्भीर बा। १९ अउर तू मसीह क ओह प्रेम क जान ल्या जउन सभन प्रकार क गियन (सोनों) स परे अहइ ताकि तू परमेस्सर क सभन पूरापन स भरि जा।

२० अब ओह परमेस्सर क बरे जउन आपन ओह सक्ति स जउन हममें काम करत ब। जेतना हम माँग सकीत अही या जहाँ तलक हम सोच सकीत अही, ओहसे कहू अधिक कइ सकत ह। २१ ओकर कलीसिया मँ अउर ईसू मसीह मँ अनन्त पीढ़ियन तलक हमेसा-हमेसा बरे महिमा होत रहइ। आमीन।

एक देह

८ १ तउन मई, जउन पभू क होई कारण बन्दी बना भवा हउ। तू लोगन स पराथना करत हउ कि तू सबन क आपन जीवन वइसे ही जिअइ चाही जइसे न कि सन्तन क अनुकूल होत ह। २ हमेसा नम्रता अउर कोमलता क साथे, धीरज क साथ आचरण। अउर एक दूसरे क प्रेम स कहत रहा। ३ उ सान्ति, जउन तू पचन क आपस मँ बाँधत ह, ओसे उत्पन्न आत्मा क एकता क बनाए रखइ क बरे हर तरह क यत्न करत रहा। ४ देह एक बा अउर पवित्र आत्मा भी एक्कइ बा। अइसेन ही जब तोहे बोलावा गवा त एक्कई आसा मँ भगीदार होइ क बरे ही बोलावा गवा। ५ एक्कइ परमेस्सर बा, एक्कइ बिसवास बा अउर बा एक्कइ बपतिस्मा। ६ परमेस्सर जउन सबका परमपिता अहइ एक्कइ बा। उहइ सब कछू क स्वामी बा, हर कउनो क द्वारा उहइ किर्यासील बा, अउर हर मँ उहइ समावा बाटई।

७ ईसू हममें स हर कउनो क एक विशेष उपहार दिहे अहइ। हर मनई उहइ पाएस जेका ईसू ओका देइ चाहत रहा। ८ इही बरे सास्त्रन कहत हीं :

“ऊँचा चढ़ा उ अकासे मँ
आपन संग बन्दी क लिहेस

अउर दिहेस लोगन क आपन आनन्द ।” *

१ अब देखा । जब उ कहत ह “ऊँचे चढ़ा” तउ एकर अर्थ एकरे अलावा का बा ? कि उ धरती क नीचे हीसा पर उतरा रहा । १० जउन नीचे उतरा रहा, उ उहइ अहइ जउन ऊँचे पइ चढ़ा रह एतना ऊँचा कि सभन अकासन स उप्पर ताकि उ सब कउनो क आपन संग सम्पूर्ण कइ देइ । ११ उ लोगन क कछू प्रेरितन होइ क वरदान दिहेस तउ कछू क नबियन होई क तउ कछू क सुसमाचार क प्रचारक होइके तउ कछू क परमेस्सर क जनन क रच्छक गइरिया अउर सिच्छा क । १२ मसीह तउ ओन्हे इ वरदान परमेस्सर क पवित्र लोगन क सेवा काम क बरे तइयार करइ दिहेस ताकि हम जउन मसीह क देह अही, आतिमा मँ अउर दृढ़ होइ । १३ जब तलक कि हम सभन मँ बिसवास मँ अउर परमेस्सर क बेटवा क गियान मँ एकाकार होई क परिपक्व मनई बनई क बरे विकास करत-करत मसीह क पूरा गौरव क ऊँचाई अउर परिपक्वता क न छुड़ लई ।

१४ ताकि हम अइसेन गदेलन न बना रही जउन हर कउनो क अइसेन नई सिच्छा क हवा स उच्छली जाई । हम पचे उ जहाजे क तरह मनइयन न बना रही जउन लहर स एक कइती स दूसरी कइती चला जात ही । जउन हमरे रस्ता मँ बहत ह, लोगन क दल स भरा व्यवहार स, अइसेन धूर्तता स, जउन टगन स भरी सब योजना क प्रेरित करत रही, एहर-ओहर भटकाई दीन्ह जात ही । १५ बल्कि हम प्रेम क साथे सच बोलत हर तरह स मसीह क जइसेन बनई क बरे विकास करत जाई । मसीह मस्तक बा अउर हम पचे ओकर देह अही । १६ जेह पर सबहि देह निर्भर करत ह । इ देह सबहि का ओसे जोड़त ह । हर एक सहायक नस स संयुक्त होत ह अउर जब एकर हर अंग जउन काम ओका करई चाहइ, ओका पूरा करत ह । तउ प्रेम क साथे समूची देह क विकास होत ह अउर इ देह खुद मजबूत होत ह ।

अइसन जिआ

१७ मई इही बरे इ कहत हउँ अउर पभू क साच्छी कइके तोहे चेतावनी देत हउँ कि ओन व्यर्थ क विचारन क साथे अधर्मियन क जइसेन जीवन जीअत रहा । १८ ओनकर बुद्धि अंधकार स भरी बा । उ परमेस्सर स मिलइ वाले जीवन स पूर अहई । काहेकि उ अबोध बा अउर ओनकर मन

जड़ होइ गवा बा । १९ सरम क भावना ओनमें स जात रही । अउर ओ आपन क इन्दियन क बुरे काम मँ लगाई दिहेन । बिना कउनउ बन्धन माने ओ सब तरह क अपवित्तरता मँ जुटा हयन । २० परन्तु मसीह क बरे मँ तू जउन कछू जाने अहा, उ त अइसेन नाहीं बा । २१ (मोका कउनउ सन्देह नाहीं बा कि तू ओकरे बरे मँ सुने अहा, अउर उ सच जउन ईसू मँ निवास करत ह, ओकरे अनुसार तोहे ओकर चलन क रूप मँ सिच्छित कीन्ह गवा बा ।) २२ जहाँ तलक तोहे पुराने जीवन प्रकार क सम्बन्ध बा, तोहे सिच्छा दीन्ह गइ रही कि तू आपन पुराना व्यक्तित्व जउन जर्जर होइ रहा बाटइ ओका उतारके फेंका जउन ओकर भटकावइवाली इच्छान क कारण भ्रस्ट बना भआ बा । २३ जेहसे बुद्धि अउर आतिमा मँ तोहे नवा कीन्ह जाइ सकई । २४ अउर तू उ नवा सरूप क धारण कइ सका जउन परमेस्सर क अनुरूप सचमुस नेक अउर पवित्र बनवइ बरे रचा गवा बा ।

२५ तउन तू पचे झूठ बोलइ क तियाग कइ द्या । आपस मँ सब कउनो क सच बोलई चाही काहेकि हम सब एक सरीर क अंग अही । २६ जब तू तूरोध करा, तब पाप करइ स बचा । तोर किरोध सूरज अस्त होय तक बना न रहइ । २७ सइतान क आपन पर हावी न होइ द्या । २८ जे चोरी करत आवत, उ आगे चोरी न करइ । बल्कि ओका काम करइ चाही, खुद आपन हाथे स उपयोगी काम । ताकि ओकर पास जेकर आवश्यकता बा ओकर साथे बाटइ क कछू होइ सकइ ।

२९ तोहे मुँह स कउनउ अनुचित शब्द न निकलइ चाही, बल्कि लोगन क विकास क बरे जेकर अपेच्छा बा, अइसेन उतम बातई निकलई चाही, ताकि जे सुनई ओकर ओसे भला होइ । ३० परमेस्सर क पवित्र आतिमा क दुःखी न करत रहा काहेकि परमेस्सर क सम्पत्ति क रूप मँ तोह पर छुटकारा क दिना क बरे आतिमा क साथे मोहर लगाई दीन्ह गइ बा । ३१ पूरी कड़वाहट, झुंझलाहट, क्रोध, चीख-चिल्लाहट अउर निन्दा क तू आपन भीतर स सब तरह क बुराई क साथे निकारिके बाहर फेंका । ३२ परस्पर एक दूसरे क बरे दयालु अउर करुनावन बना । अउर आपस मँ एक दूसरे क अपराधन क वइसेन ही छमा करा जइसे मसीह क द्वारा तोहका परमेस्सर छमा किहे अहइ ।

*४ :८ उद्धृत भजन संहिता ६८ :१८

†४ :१६ देह मतलब कलीसिया ।

ज्योतिर्मय जीवन

१ पिआरे बच्चन क समान परमेस्सर क अनुकरण करा। २ पिरम क साथे जिआ ठीक वइसेन ही जइसे मसीह हमसे पिरम कीहे अहइ अउर आपन आप क, सुगन्धि सुलगाइके बलि भेंट क रूप में हमरे बरे परमेस्सर क अर्पित कइ दिहे अहइ।

३ तोहरे बीच यौन अनाचार अउर हर कउनो तरह क अपवित्तरता अउर लालच क चर्चा तक न चलइ चाही। जइसेन कि परमेस्सर क पवित्तर जनन क बरे उचित बाटई। ४ तू न तऊ असलील भाखा क प्रयोग होइ चाही, न मूर्खतापूर्ण बात या भद्दी हँसी ठट्टा। इ तोहरे अनुकूल नाहीं अहइ। बल्कि तोहरे बीच धन्यवाद ही दीन्ह जाइ।

५ काहेकि तू निस्वय क साथे इ जानत ह कि अइसेन कउनउ भी मनई जउन दुराचारी अहइ, अपवित्तर अहइ अउर लालची अहइ (जउन एक मूर्तिपूजक होइ जइसा अहइ) मसीह क अउर परमेस्सर क, राज्य क उत्तराधिकार नाहीं पाई सकत।

६ देखा। तोहे कउनउ सब्दन स केउ छल न लेइ। काहेकि बुरी बातन क कारण ही आज्ञा क उल्लंघन करइवालन पर परमेस्सर क कोप होइ क अहइ। ७ इही बरे ओनकर साथी न बना। ८ इ मई एह बरे कहत हउँ कि एक समइ रहा जब तू अंधकार स भरा रह्या परन्तु अब तू पभू क अनुयायी क रूप में ज्योति स भरापूरा अहा। इही बारे प्रकासित बेटवन क स आचरण करा। ९ हर प्रकार क उत्तम जीवन, नेकी अउर सत्य में ज्योति का प्रतिफल देखाइ पडत ह। १० सब तरह इ जानइ क जतन करत रहा कि परमेस्सर क का भावत ह। ११ अइसेन काम जउन बुरे बाटेन, अन्धकार में लोग करत हीं ओन्हन बेकार क कामन में हिस्सा न बटावा बल्कि ओनकर भण्डा-फोड़ करा। १२ काहेकि अइसेन काम जेका उ पचे गुपचुप करत हीं। ओनके बारे में कीन्ह गइ चर्चा तक लाज का बात बा। १३ ज्योति जब प्रकासित होत ह तउ सब कछू दूस्मान होइ जात ह कि उ का अहइ। १४ अउर जउन कछू दूस्मान प्रकास क सामने आवत ह, उ खुद ज्योति ही बनि जात ह। इही बरे हमार भजन कहत ह:

“जाग अरे, ओ सोवइवाले मउत में स जी उठि बइठा, खुद मसीह प्रकासित होई तोहरे ही सिर बइठी।”

१५ इही बरे सावधानी क साथे देखत रहा कि तू कइसा जीवन जिअत अहा। विवेकहीन क स आचरण न करा, बल्कि बद्धिमान क स आचरण करा। १६ जे हर समइ क अच्छा करम करइ क बरे दीन्ह भए वर्तमान में ओकर पूरा उपयोग करत ह, काहेकि इ दिन बुरा बा। १७ मूर्खता स न रहत रहा बल्कि इ जान ल्या कि पभू क इच्छा का अहइ। १८ मदिरापान कइके मतवाला जिन बना रहा काहेकि इही स कामुकता पइदा होत ह। एकरे विपरीत आतिमा स परिपूर्ण होइ जा। १९ आपस में भजन, स्तुतिगयान अउर आध्यात्मिक गीतन क, परस्पर आदान-प्रदान करत रहा। आपन मने में पभू क बरे गीत गावत ओकर स्तुति करत रहा। २० हर कीहीउँ बात क बरे हमार पभू ईसू मसीह क नाउँ पइ हमरे परम पिता परमेस्सर क हमेसा धन्यवाद करा।

पत्नी अउर पति

२१ मसीह क प्रति सम्मान क कारण एक दूसरे क अरपन कइ द्या।

२२ हे पतनियन, आपन-आपन पतियन क बरे अइसेन समर्पित रहा, जइसेन तू पभू क समर्पित होत ह। २३ काहेकि आपन पत्नी क उपर ओकर पति ही प्रमुख अहइ। वइसेन ही जइसे हमार कलीसिया क सिखर मसीह बा। उ खुदई इ देह क उद्धार करत ह। २४ जइसे कलीसिया मसीह क अधीन बा, वइसेन ही पत्नियन क सब बात में आपन-आपन पतियन क बरे समर्पित करइ चाही।

२५ हे पतियन, आपन पत्नियन स पिरम करा। वइसेन ही जइसे मसीह कलीसिया स पिरम किहेस अउर आपन आप क ओकरे बरे बलि कई दिहेस। २६ ताकि उ ओका पभू क सेवा में जल में स्नान कराइके पवित्तर कई हमार घोसना क साथे परमेस्सर क अर्पित कइ देई। २७ इही तरह उ कलीसिया क एक अइसेन चमचमात दुलहिन क रूप में खुद क बरे पस कइ सकत ह, जउन कलंक अउर पापन स मुक्त होइ, झुरियन स रहित होई, या जेहमाँ अइसेन अउर कउनउ कमन होइ। बल्कि उ पवित्तर होइ अउर हमेसा निर्दोस होइ।

२८ पतियन क आपन-आपन पत्नियन स उही तरह पिरम करइ चाही जइसे उ खुद आपन देह स करत हीं। जे आपन पत्नी स पिरम करत ह उ खुद आपन आप स पिरम करत ह। २९ केउ आपन देह स तब कभउँ घिरना नाहीं करत, बल्कि उ ओका पालत-पोसत ह अउर ओकर ध्यान रखत ह। वइसेन ही जइसे मसीह आपन कलीसिया क,

३० काहेकि हमउ त ओकरी काया क अंग अही ।
 ३१ पवित्र सास्तर कहत ह, “इही बरे एक मनई आपन महतारी बाप क छोड़ि के आपन पत्नी स बंध जात ह अउर दुन्नउ एक देह होइ जात ही ।”
 †

३२ इ रहस्यपूर्ण सच बहुत महत्वपूर्ण बा अउर मई तोहे बताइत ह कि इ मसीह अउर कलीसिया पर लागू होत ह । ३३ तउन कछू भी होइ, तोहमाँ स हर कीहीउँ क आपन पत्नी स वइसेन ही पिरेम करई चाही जइसे तू खुद आपन आप क करत अहा । अउर एक पत्नी क आपन पति का डेरात भए आदर करई चाही ।

बच्चे अउर महतारी-बाप

१ गदेलन, पभूँ मँ आस्था रखत महतारी-बाप क आज्ञा क पालन करा काहेकि इहइ तरीका पभूँ चाहत बा । २ “आपन महतारी-बाप क सम्मान करा ।” ३ पहली आज्ञा अहइ जउन इ परितिसिया स युक्त बा ३ कि “तोहार भला होई अउर तू धरती पर चिरायु होब्या ।” ४

५ अउर हे पिता लोगो, तू पचे आपन गदेलन क गुस्सा न दिआवा बल्कि पभूँ स मिली सिच्छा अउर निर्देसन क देत ओनकर पालन-पोसन करा ।

सेवक अउर स्वामी

५ हे सेवक लोगो, तू पचे आपन संसारी स्वामियन क आज्ञा निष्कपट हिरदइ स भय अउर आदर क साथे उही तरह माना जइसे तू मसीह क आज्ञा मानत ह । ६ केवल कीहीउँ क देखत रहत ही रहा काम न करा जइसे तोहे लोगन क समर्थन क आवश्यकता होइ । बल्कि मसीह क सेवक क रूप मँ करा जउन आपन मन लगाइके परमेस्सर क इच्छा पूरी करत हीं । ७ उत्साह क साथे एक सेवक क रूप मँ अइसेन काम करा जइसे माना तू लोगन, क नाहीं पभूँ क सेवा करत अहा । ८ याद रखा, तोहमे हर एक चाहे उ सेवक होइ या स्वतंत्र होइ या केउ अच्छा काम करत ह, तउ पभूँ स ओका पुरस्कार मिली ।

९ स्वामियन, तू सबहुँ आपन सेवकन क साथे वइसेन ही व्यहार करा अउर ओनका डरोवइ धमकावइ छोड़ि द्या । याद रखा, ओनकर अउर

तोहर स्वामी सरगे मँ अहइ अउर उ कउनउ पच्छपात नाहीं करत ।

पभूँ क अमेच कवच धारण करा

१० मतलब इ कि पभूँ मँ स्थित होइके ओकर असीम सक्ती क साथे आपन आपक सक्तिसाली बनावा । ११ परमेस्सर क सम्पूर्ण कवच क धारण करा । ताकि तू राच्छस (दुस्टन) क सबइ योजन क सामने टिक सका । १२ काहेकि हमार संघर्ष मनइयन स नाहीं बा, बल्कि सासकन, अधिकारियन, एक अन्धकार भरा जुग क आकास क सक्तियन अउर अम्बर क दुस्तात्मिक सक्तियन क साथे बा । १३ इही बरे परमेस्सर क सम्पूर्ण कवच क धारण करा ताकि जब बुरा दिन आवइ तउ जउन कछू संभव बा ओका कइ चुकइ क बाद तू दृढतापूर्वक अडिग रहि सका ।

१४ तउ आपन करिहाउँ पइ सत्य क फेंटा किसिके नेकी क झिलम पहिन क १५ अउर गोडन मँ सान्ति क सुसमाचार सुनावइ क तत्परता क पनही धारण कइके तू लोग अटल खड़ा रहा । १६ इ सबसे बड़ी बात इ बा कि विस्व क ढाल क रूप मँ लइ ल्या । जेकरे द्वारा तू ओन दुस्टन (सइतान) क समस्त अग्नि बाणन का बुझाई सका, जउन बन्दी क द्वारा छोड़ा गवा अहइ । १७ उद्धार क बरे क सिरस्त्राण पहिन ल्या अउर परमेस्सर क सँदेसा रूपी आतिमा क तलवार उठाइ ल्या । १८ सब तरह क पराथना अउर निवेदन सहित आतिमा क सहायता सब अवसर पर विनती करत रहा । एह लच्छ स सभन प्रकार क यत्न करत सावधान रहा । अउर सभन सन्तन क बरे पराथना करा ।

१९ अउर मोरे बरे पराथना करा कि मई जब आपन मुँह खोलउँ, मोका एक सुसँदेस मिलइ ताकि निर्भयता क साथ सुसमाचार क रहस्य भरा सच क, परगट कइ सकउँ । २० इही बरे मई जंजीर मँ जकड़ा भआ राजदूत क समान सेवा करत हउँ । पराथना करा कि, जेह तरह मोका बोलइ चाही उही तरह निर्भयता क साथे सुसमाचार क प्रबचन कइ सकउँ ।

अन्तिम नमस्कार

२१ तूहउ, मई कइसेन हउँ अउर का करत हउँ, एका जान जा । सो तुखिकुस तोहे सबन कछू बताइ

३१ :३१ “इही...ही” उत्पत्ति २ :२४

१६ :२ “उद्भूत निर्गम” २० :१२ ; व्यवस्था. ५ :१६

१६ :३ उद्भूत निर्गम. २० :१२ ; व्यवस्था. ५ :१६

देई। इ हमार पिआरा बंधु अहइ अउर पभू मँ स्थित एक बिसवासपूर्ण सेवक अहइ। ^{२२} इही बरे मइँ ओका तोहरे लगे भेजत हउँ ताकि तू मोर समाचार जानि सका अउर इही बरे कि उ तोहरे मने क सान्ति देइ सकइ।

^{२३} भाइयो, तू सबे क परमपिता परमेस्सर अउर पभू ईसू मसीह कइँती स सान्ति, पिरेम अउर बिसवास मिलइ। ^{२४} जउन हमरे पभू ईसू मसीह स अमर पिरेम रखत हीं, ओन पइ परमेस्सर क अनुग्रह होत ह।